प्रतिदिन 33 अखबार
पास-पड़ोस
16 अमरावती, गुरुवार, 29 अक्टूबर 2026

पालेकर बेकरी को नई ऊंचाइयों तक ले जाने वाले सुरेशसिंह ठाकुर नहीं रहे

गुणवत्ता और आधुनिक उत्पादन व्यवस्था पर दिया विशेष जोर

प्रतिनिधि/ प्रतिदिन अखबार

अमरावती. स्थानीय पालेकर बेकरी प्रा. लि. के संचालक एवं उद्यमी सुरेशसिंह गजराजसिंह ठाकुर का बुधवार, 28 अक्टूबर को करीब 70 वर्ष की आयु में निधन हो गया. उनके निधन से शहर के व्यापारिक और औद्योगिक क्षेत्र में शोक की लहर है. वे पूर्व पार्षद स्व. वीरेंद्रसिंह ठाकुर के छोटे भाई थे. उनकी अंतिम यात्रा बुधवार सुबह 10.30 बजे दंडे प्लॉट स्थित निवासस्थान से निकाली गई. हिंदू मोक्षधाम में उनके पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार किया गया. अंतिम यात्रा में व्यापार और उद्योग जगत से जुड़े अनेक गणमान्य नागरिक शामिल हुए.



सुरेशसिंह ठाकुर ने पालेकर बेकरी का संचालन संभालने के बाद उत्पादों की गुणवत्ता बनाए रखने और उत्पादन प्रक्रिया को आधुनिक बनाने पर विशेष ध्यान दिया. एमआईडीसी में शशिकांत पालेकर द्वारा स्थापित इस बेकरी के उत्पादों ने विदर्भ में अपनी अलग पहचान बनाई है. करीब दस वर्ष पहले सुरेशसिंह ठाकुर ने बेकरी की जिम्मेदारी अपने हाथों में ली थी. उनके नेतृत्व में आधुनिक उपकरणों की सहायता से उत्पादन व्यवस्था को बेहतर बनाने के प्रयास किए गए. गुणवत्ता को प्राथमिकता देने की इस कार्यशैली का असर उत्पादों की मांग और बिक्री पर भी दिखाई दिया.

गुणवत्ता और आधुनिकता को बनाया प्राथमिकता

पालेकर बेकरी ने बेकरी उत्पादों के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान कायम की थी. सुरेशसिंह ठाकुर ने इस प्रतिष्ठा को बरकरार रखने के लिए उत्पादों की गुणवत्ता और उत्पादन प्रक्रिया पर विशेष जोर दिया. पारंपरिक पहचान को बनाए रखते हुए आधुनिक उपकरणों का इस्तेमाल करने और उत्पादन व्यवस्था में सुधार लाने के प्रयास किए गए. उनके कार्यकाल में बेकरी ने विदर्भ के बाजार में अपनी जगह बनाए रखी.

दुग्ध उत्पादन क्षेत्र में भी रहे सक्रिय

बेकरी व्यवसाय के साथ सुरेशसिंह ठाकुर ने दुग्ध उत्पादन क्षेत्र में भी योगदान दिया. व्यावसायिक गतिविधियों में सक्रिय रहने के बावजूद उनका स्वभाव सहज, सरल और विनम्र था. अपने व्यवहार के कारण वे परिचितों और व्यापारिक क्षेत्र से जुड़े लोगों के बीच सम्मानित रहे. उनके निधन से परिवार, मित्रों और व्यावसायिक जगत के लोगों को गहरा आघात पहुंचा है.

अविवाहित थे सुरेशसिंह ठाकुर

सुरेशसिंह ठाकुर आजीवन अविवाहित रहे. उनके परिवार में बड़ी भाभी और भतीजे का परिवार है, जो उनके निधन से शोकाकुल है. उनके जाने से ठाकुर परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है.

अंतिम यात्रा में उमड़े व्यापारी और उद्यमी

बुधवार, 28 अक्टूबर की सुबह दंडे प्लॉट स्थित निवासस्थान से निकली अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में व्यापारी, उद्यमी और अन्य गणमान्य नागरिक शामिल हुए. हिंदू मोक्षधाम में अंतिम संस्कार के दौरान शोकाकुल वातावरण रहा. उपस्थित लोगों ने सुरेशसिंह ठाकुर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके व्यावसायिक योगदान और सरल व्यक्तित्व को याद किया. पालेकर बेकरी के उत्पादों की गुणवत्ता बनाए रखने और उत्पादन व्यवस्था को आधुनिक दिशा देने में उनके प्रयासों को लंबे समय तक याद किया जाएगा.

जिजाऊ ब्रिगेड की संस्थापक मयुरा देशमुख का निधन

मराठा समाज सहित सामाजिक क्षेत्र में शोक, सैकड़ों लोगों ने नम आंखों से दी अंतिम विदाई

प्रतिनिधि/ प्रतिदिन अखबार

अमरावती. अंतरराष्ट्रीय जिजाऊ ब्रिगेड की संस्थापक अध्यक्ष और प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता मयुरा देशमुख का बुधवार, 28 अक्टूबर को तड़के स्थानीय बडनेरा रोड स्थित रिम्स अस्पताल में निधन हो गया. उनके निधन की खबर से मराठा समाज सहित सामाजिक क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई. करीब 30-35 वर्षों तक समाजसेवा में सक्रिय रहकर उन्होंने महिला सशक्तीकरण और सामाजिक संगठन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया था. बुधवार, 28 अक्टूबर की दोपहर सैकड़ों लोगों की मौजूदगी में उन्हें अंतिम विदाई दी गई.



मयुरा देशमुख ने मराठा सेवा संघ के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय जिजाऊ ब्रिगेड की स्थापना कर महिलाओं को संगठित करने और उन्हें सामाजिक गतिविधियों से जोड़ने का कार्य किया. अपने नेतृत्व और कार्यशैली के बल पर उन्होंने संगठन को गांव-देहात से लेकर शहरों और विदेशों तक पहुंचाया. सामाजिक क्षेत्र में उनके योगदान के चलते वे अनेक कार्यकर्ताओं और सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों के बीच विशेष पहचान रखती थीं.

दोपहर में निकली अंतिम यात्रा

दिवंगत मयुरा देशमुख की अंतिम यात्रा बुधवार, 28 अक्टूबर को दोपहर 2 बजे अर्जुन नगर परिसर स्थित पीएसआई कॉलोनी में उनके निवासस्थान से निकाली गई. इस अवसर पर सैकड़ों लोगों ने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी.

पति, बेटियों और बेटे सहित भरा-पूरा परिवार

मयुरा देशमुख अपने पीछे पति एवं सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी मोरेश्वर देशमुख, दो विवाहित बेटियां कीर्ति और राधा तथा बेटे शिवाजी सहित बहू, दामाद और नाती-पोतों से भरा-पूरा परिवार शोकाकुल छोड़ गई हैं.

1992 में रखी थीं जिजाऊ ब्रिगेड की नींव

वर्ष 1990 में स्थापित मराठा सेवा संघ के संस्थापक पुरुषोत्तम खेडकर के कार्यों से प्रभावित होकर मयुरा देशमुख ने वर्ष 1992 में मराठा समाज की महिलाओं को एकजुट और संगठित करने के उद्देश्य से जिजाऊ ब्रिगेड की नींव रखी थीं. संगठन की संस्थापक अध्यक्ष के रूप में उन्होंने इसके विस्तार के लिए खुद को समर्पित कर दिया.उनके निरंतर प्रयासों के चलते जिजाऊ ब्रिगेड का विस्तार अमरावती से आगे बढ़कर महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों के शहरों और गांवों तक हुआ. विदेशों में रहने वाली मराठा समाज की महिलाएं भी संगठन से जुड़ने लगीं. धीरे-धीरे संगठन ने अंतरराष्ट्रीय स्वरूप प्राप्त किया और विभिन्न देशों में इसके सम्मेलन आयोजित किए गए. संगठन के विस्तार और उनके योगदान को देखते हुए करीब तीन-चार वर्ष पहले उन्हें अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में जिम्मेदारी सौंपी गई थी.

मिला पति का निरंतर सहयोग



मयुरा देशमुख के पति मोरेश्वर देशमुख लंबे समय तक पुलिस विभाग में अधिकारी के रूप में कार्यरत रहे. अपनी व्यस्तताओं के बावजूद उन्होंने पत्नी के सामाजिक कार्यों में हमेशा सहयोग दिया. परिवार से मिले प्रोत्साहन और समर्थन के बल पर मयुरा देशमुख समाजसेवा के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय रहीं और उन्होंने जिजाऊ ब्रिगेड को व्यापक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

मराठा क्रांति मोर्चा में भी निभाई सक्रिय भूमिका

कोपर्डी में अत्याचार की घटना और मराठा आरक्षण की मांग को लेकर सकल मराठा समाज की ओर से आयोजित मराठा मूक मोर्चा तथा मराठा क्रांति मोर्चा में अपनी सहयोगी महिलाओं की टीम के साथ सक्रिय भूमिका निभाई थी. इन आंदोलनों में जिजाऊ ब्रिगेड की भागीदारी उल्लेखनीय रही. शहर में मराठा समाज की ओर से आयोजित विभिन्न आंदोलनों को सफल बनाने में भी उनके प्रयासों का योगदान रहा.

राजनीति से दूर रहकर समाजसेवा को बनाया ध्येय

मयुरा देशमुख ने सामाजिक कार्यों के माध्यम से अपनी अलग पहचान बनाई. संगठन की संस्थापक अध्यक्ष और सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में उन्होंने महिला सशक्तीकरण तथा समाज को संगठित करने पर विशेष ध्यान दिया. सामाजिक क्षेत्र में पर्याप्त पहचान और प्रतिष्ठा हासिल करने के बावजूद उन्होंने स्वयं को राजनीति से दूर रखा और समाजसेवा को प्राथमिकता दी.उनकी सक्रियता, संगठन क्षमता और सामाजिक कार्यों के प्रति समर्पण के कारण अनेक लोग उनसे जुड़े.

गुरुकुल में पालकी पदयात्रा शिविर महोत्सव जारी

अड्याळ टेकड़ी सहित विविध स्थानों से पालकियों का आगमन

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार

गुरुकुंज मोझरी, 28 अक्टूबर- राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज के 58वें स्मृति दिवस पर श्री गुरुदेव अध्यात्म गुरुकुल, गुरुकुंज मोझरी में 28 से 30 अक्टूबर तक आयोजित ग्रामगीता तत्वज्ञान आचार महायज्ञ और पालकी पदयात्रा शिविर महोत्सव जारी है. राष्ट्रसंत के विचारों से प्रेरित हुए महाराष्ट्र के विविध गांवों की पालकियां गुरुकुंज मोझरी में पहुंचेगी तथा राष्ट्रसंत को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए गुरुदेव सेवक और श्रद्धालु इस महोत्सव में सहभागी होंगे.





पू. गीताचार्य तुकाराम दादा के विचारों से प्रेरित श्री गुरुदेव सेवामंडल, अड्याळटेकड़ी, चमक, आष्टी, मांगलगांव, दापोरी खुर्द, सातरगांव, झोड़गांव, खैरी, छोटी आर्वी, तलेगांव मोहना, भूगांव, भोकर, हिवरा लाहे, धामणगांव गढ़ी आदि सहित महाराष्ट्र के विविध स्थानों से पालकियों इस महोत्सव में सहभागी होंगी.

इस 3 दिवसीय महोत्सव में रक्तदान और देहदान जनजागृति शिविर, विविध शिविर और सम्मेलन, भजन, प्रबोधन उसी प्रकार सप्त खंजिरी के माध्यम से वैचारिक प्रबोधन का आयोजन किया गया है. राष्ट्रसंत के ग्रामविकास, मानवता, सर्वधर्म समभाव, सेवाभाव और समाज प्रबोधन के विचार जनमानस में रोपित करने के साथ ही आचरण में लाने का संकल्प इस महोत्सव में लिया जाएगा. इस महोत्सव में गुरुदेव सेवक, युवक-युवती, नागरिक और राष्ट्रसंत के विचारों पर प्रेम करने वाले सभी से भारी संख्या में सहभागी होकर पालकी यात्रा शिविर महोत्सव की शोभा बढ़ाने का आवाहन आयोजकों की ओर से किया गया.

शराब बिक्री का हिसाब नहीं रखने पर 18 दुकानदारों को नोटिस



राज्य आबकारी विभाग की कार्रवाई,

प्रत्येक से 30 से 40 हजार रुपए तक जुर्माना

प्रतिनिधि/ प्रतिदिन अखबार

अमरावती. शराब बिक्री के लेन-देन का नियमित हिसाब नहीं रखने के मामले में राज्य आबकारी विभाग ने जिले के 18 शराब विक्रेताओं के खिलाफ कार्रवाई की है. नियमित जांच के दौरान बिक्री का लेखा-जोखा उपलब्ध नहीं होने पर संबंधित दुकानदारों को नोटिस जारी किए गए. साथ ही, प्रत्येक से 30 हजार से 40 हजार रुपये तक का जुमार्ना वसूला गया. विभाग के अनुसार, इस कार्रवाई के बाद संबंधित दुकानदारों ने शराब बिक्री के लेन-देन में सुधार किया है.

जिले में देशी शराब की 149 दुकानें, विदेशी शराब की 33 दुकानें, 50 बीयर शॉप और 420 बार हैं. इन सभी शराब बिक्री प्रतिष्ठानों पर राज्य आबकारी विभाग के निरीक्षकों द्वारा नियमित निगरानी और जांच की जाती है. शराब बिक्री के कारोबार में पारदर्शिता बनाए रखने और नियमों का पालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह जांच की जाती है.पिछले चार महीनों में की गई नियमित जांच के दौरान जिले के 18 शराब बिक्री प्रतिष्ठानों में बेची गई शराब का विस्तृत हिसाब उपलब्ध नहीं होने की बात सामने आई. इसके बाद विभाग ने संबंधित दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई की.

बिक्री का हिसाब रखना अनिवार्य

शराब की कितनी बिक्री हुई, इसका पूरा लेखा-जोखा रखना प्रत्येक शराब विक्रेता के लिए अनिवार्य है. जांच के दौरान जिन दुकानदारों के पास बिक्री का हिसाब नहीं मिलता, उन्हें नोटिस जारी कर दंडात्मक कार्रवाई की जाती है.

शराब बिक्री के कारोबार में नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए नियमित जांच की जाती है. बिक्री का हिसाब नहीं रखने वाले प्रतिष्ठानों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाती है.

सुभाष खरे, प्रभारी पुलिस अधीक्षक, राज्य आबकारी विभाग

चारा माफिया और कारखानों पर करें सख्त कार्रवाई

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार

दर्यापुर, 28 अक्टूबर - जिले के दर्यापुर तहसील में कम बारिश के कारण उत्पन्न सूखे जैसी स्थिति से पशुओं के चारे का गंभीर संकट खड़ा हो गया है. पशुपालक अपने मवेशियों को बचाने के लिए परेशान हैं. वहीं, चारे की अवैध ढुलाई और गेहूं के ब्रिकेट्स बनाने वाले कारखानों में चारे के उपयोग से संकट और गहरा गया है. इस मामले में शिवसेना (शिंदे) के प्रदीप वडतकर ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर कठोर कार्रवाई की मांग की है. उन्होंने चारे की अवैध ढुलाई पर रोक लगाने तथा कारखानों में जमा चारे को जब्त कर सूखाग्रस्त क्षेत्रों के पशुओं हेतु सुरक्षित रखने की मांग की.पशुपालक,दूध उत्पादक अपने मवेशियों के लिए कानूनी रूप से चारा लाते हैं, लेकिन उनके ट्रैक्टर और पिकअप वाहनों को रास्ते में रोककर परेशान किया जा रहा है. उन्होंने राजस्व प्रशासन से ऐसे वाहनों को अनावश्यक रूप से नहीं रोकने के स्पष्ट निर्देश जारी करने की मांग की.



दर्यापुर तहसील में चारे का गंभीर संकट

ओवरब्रिज पर दो बाइक की टक्कर, युवक घायल

अमरावती -वलगांव रेलवे ओवरब्रिज पर तेज रफ्तार और लापरवाही से बाइक चलाने के कारण दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने टक्कर हो गई. इस हादसे में एक युवक घायल हो गया. शिकायत के अनुसार पीड़ित का भाई हीरो डिलक्स मोटरसाइकिल से वलगांव की ओर जा रहा था. रेलवे ओवरब्रिज पर चढ़ते समय सामने से आ रही नीले-काले रंग की अज्ञात मोटरसाइकिल ने उसे जोरदार टक्कर मार दी. बताया गया है कि उस बाइक पर तीन लोग सवार थे. हादसे में युवक के सीने के बाईं ओर, दाहिने हाथ की उंगलियों, दाहिने पैर की उंगलियों और सिर के बाईं ओर चोटें आई. पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात बाइक चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है.

मोबाइल विवाद के बाद महिला पर कुल्हाड़ी से हमला

नांदगांव खंडेश्वर के येणस गांव की घटना: चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार

नांदगांव खंडेश्वर. नांदगांव खंडेश्वर तहसील के येणस गांव में मोबाइल फोन को लेकर शुरू हुए विवाद के बाद एक महिला के साथ गाली-गलौज और मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है. शिकायत के अनुसार विवाद के दौरान आरोपियों में से एक ने महिला के पैर पर लकड़ी से वार किया, जबकि दूसरे आरोपी ने कुल्हाड़ी से हमला कर उन्हें घायल कर दिया. इस मामले में नांदगांव खंडेश्वर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है.

जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता रेखा बारसे (56, येणस, नांदगांव खंडेश्वर) का आरोप है कि आरोपी को शराब पीने की आदत है और वह छोटी-छोटी बातों पर उनसे विवाद करता रहता है. कुछ समय पहले शिकायतकर्ता के बेटे प्रशांत और आरोपी के बीच मोबाइल फोन को लेकर विवाद हुआ था. बताया गया है कि शिकायतकर्ता ने मौके पर हीदोनों के बीच चल रहे विवाद को समझाकर शांत करा दिया और इसके बाद अपने घर लौट आईं.



हालांकि आरोप है कि कुछ देर बाद चारों आरोपी उनके घर के सामने पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे. जब रेखा बारसे ने आरोपियों से पूछा कि वे गाली-गलौज क्यों कर रहे हैं, जबकि उन्होंने पहले ही दोनों के बीच का विवाद सुलझा दिया था, तो आरोपियों में से एक महिला ने उनके साथ अपमानजनक व्यवहार करते हुए धक्का-मुक्की और मारपीट की. इसी दौरान एक आरोपी ने कथित तौर पर अपने हाथ में रखी लकड़ी से शिकायतकर्ता के दाहिने पैर पर वार किया, जिससे उन्हें चोट आई.

पश्चात आरोपी महिला अपने घर गई और वहां से कुल्हाड़ी लेकर आई. इसके बाद उसने कुल्हाड़ी अपने पति तथा दूसरे आरोपी के हाथ में दी. आरोप है कि कुल्हाड़ी से शिकायतकर्ता की कमर पर वार किया गया, जिससे उन्हें चोट लगी और खून निकलने लगा. घटना के बाद शिकायतकर्ता की ओर से पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई गई. नांदगांव खंडेश्वर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है.

करवा चौथ पर कई वर्षों के बाद बनेगा महासंयोग

बाजारों में बिक रहे हैं रंग-बिरंगे करवे

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार

अमरावती, 28 अक्टूबर- कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि पर सुहागन महिलाओं के पर्व का आगमन हो रहा है सुहागन महिलाएं अपने पति की दीर्घायु की कामना के लिए दिनभर व्रत रखने वाली हैं. करवा चौथ व्रत का आगमन 29 अक्टूबर को हो रहा है.



पं. महेश शर्मा के अनुसार अनेक वर्षों के बाद महासंयोग बनने जा रहा है. 29 को गुरुवार के दिन चतुर्थी तिथि रात के 10:11 तक है. बाद में पंचमी तिथि का आगमन होगा. रोहिणी नक्षत्र में करवा चौथ का आगमन हो रहा है जो की अद्भुत योग बनने जा रहा है. इस दिन चंद्रमा अपनी ही राशि में रहने से बलवान बनेगा और व्रत रखने का विशेष फल प्राप्त होगा. लक्ष्मी नारायण राजयोग भी बनेगा बुध और शुक्र की युति से यह योग के बनने से जीवन में सुख सुविधा देने के साथ प्रेम तथा ऐश्वर्य, संपन्नता की वृद्धि का योग बनने जा रहा है. इस योग में व्रत रखने से जीवन में खुशहाली आने तथा धन समृद्धि की प्राप्ति होगी. चंद्रदेव अपनी उच्च राशि में रहने से करवा चौथ का व्रत विवाहित जीवन की मधुरता को और भी सर्वोत्तम बनाने वाला है. दांपत्य जीवन और मैरिज लाइफ में मधुरता लाने वाला है. इसी प्रकार गौरी योग और अखंड सौभाग्य योग भी गुरुवार के दिन ग्रहण के विशेष स्थिति से बनने जा रहा है, जो अखंड सौभाग्य योग का निर्माण कर रहा है. इसी के साथ बुध आदित्य योग परिधि योग भी बनने जा रहा है.



करवा चौथ पर करवा माता की फोटो भी सुहागन महिलाएं खरीद रही हैं. शिव पार्वती की प्रतिमाओं को भी करवा चौथ व्रत में पूजन का विशेष महत्व है. रंग बिरंगे दीपक भी करवा चौथ पर देखे जा रहे हैं. करवा चौथ पर विशेष मुहूर्त शाम को 5:40 से लेकर 7 बजे तक रहने वाला है. इसी प्रकार चंद्रोदय रात्रि में 8:30 से 9 बजे तक होने वाला है. इसी प्रकार करवा का व्रत छोड़ने में विशेष महत्व माना जाता है, इसलिए पूजा विधि में करवा रखने से भगवान का विशेष वरदान माना जाता है.

करवा चौथ पर रंग-बिरंगे करवे बाजारों में बिकने के लिए दिखाई दे रहे हैं. अलग-अलग डिजाइन के करवे 50 से लेकर डेढ़ सौ रुपए तक मिल रहे हैं. इसी प्रकार पूजन सामग्री की भी दुकानें सज धज गई हैं. करवा चौथ रखने के लिए अनेक सामाजिक संस्थाओं के द्वारा धार्मिक आयोजन भी संपन्न होंगे. महिला मंडलों के द्वारा अनेक स्थानों पर 29 को रात्रि में विभिन्न आयोजन किए जाएंगे.

शहर में इस समय करवा चौथ के लिए बाजार सज गए हैं. शहर में अनेक सामाजिक, धार्मिक संगठनों के द्वारा महिला एक साथ मिलकर करवा चौथ व्रत मनाकर चंद्रोदय के समय चंद्रमा का पूजन करने के बाद व्रत छोड़ेंगी.

14 वर्षीय किशोर लापता

अमरावती - नागपुरी गेट थाना क्षेत्र के गवलीपुरा इलाके से 14 वर्षीय किशोर के लापता होने का मामला सामने आया है. परिजनों ने आशंका जताई है कि कोई अज्ञात व्यक्ति उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया. शिकायत के आधार पर नागपुरी गेट पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता (42), निवासी गवलीपुरा का बेटा (14) शाम करीब 6 बजे खाना खाने के बाद दुकान पर जाने की बात कहकर घर से निकला था. वह रात करीब 7.30 बजे तक अपने पिता के साथ दुकान पर था। इसके बाद वह बिना बताए वहां से चला गया. रात में जब पिता घर पहुंचे, तो वह घर पर नहीं मिला. परिजनों ने रिश्तेदारों, दोस्तों और आसपास के इलाकों में उसकी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला.







